ओम् शान्ति 9-9-18 मधुबन

प्राणप्यारे अव्यक्त बापदादा के अति स्नेही, यज्ञ रक्षक सर्व निमित्त टीचर्स बहिनें तथा सर्व ब्राह्मण कुल भूषण भाई बहिनें,

ईश्वरीय स्नेह सम्पन्न मधुर याद स्वीकार करना जी।

बाद समाचार - प्यारे साकार बापदादा के हस्तों से पले, दादियों के अति लाडले वल्लभ भाई, जिन्होंने बाल्यकाल में ही पटना से ज्ञान प्राप्त किया। ज्ञान लेते ही आप दादियों के साथ सेवा में लग गये। 1967 में आप यज्ञ में आये और प्यारे साकार बापदादा की पालना लेते अथक बन यज्ञ की अनेक प्रकार की सेवाओं में सहयोगी बन गये। आप यज्ञ रक्षक, यज्ञ स्नेही, सदा हाँ जी का पाठ पढ़ने वाले बड़ों की दुआओं के पात्र रहे। आपने पहले भण्डारे में दूध डिपार्टमेंट सम्भाला और गांव के दूध वालों से आपका बहुत स्नेह भरा सम्बन्ध रहा। ओरिया और सालगांव के लोगों से विशेष सम्पर्क होने कारण आप पीसपार्क और ज्ञान सरोवर की जमीन लेने के निमित्त बनें।

अभी आप भोलानाथ के भण्डारे में प्रयोग होने वाली हर चीज़ बहुत एकानामी के साथ खरीद करते। अनाज के साथ-साथ, डीजल पेट्रोल, खाने का तेल तथा अन्य सभी प्रकार की खरीददारी के कारण आपका सब तरफ के भाई बहिनों से बहुत अच्छा स्नेह रहा। मधुरभाषी, मिलनसार तथा सबको रिस्पेक्ट देकर उन्हें यज्ञ की सेवाओं में सहयोगी बनाना, यह आपकी विशेषता रही। यज्ञ में जो भी विशेष सेवायें होती उन सबमें आप सदा एवररेडी रहते। आपको काफी समय से डाइबिटीज़ थी। हार्ट की प्राबलम भी थी। फिर भी आप उनकी पहरवाह किये बिना सदा सेवा में लगे रहते। पिछले एक दो मास से आपकी तबियत कुछ बिगड़ती गई। कल 8 सितम्बर को दोपहर में अपने ग्लोबल हॉस्पिटल से अहमदाबाद एपोलो हॉस्पिटल में लेकर गये। वहाँ रात को 10.30 बजे दो बार हार्ट अटैक आया और आप 71 वर्ष की आयु पूरी कर अपने पुराने शरीर को छोड़ बाबा की गोद में चले गये। उनके पार्थिव शरीर को रात में ही आबू में लेकर आये। कल 10 सितम्बर 2018 को दोपहर में मधुबन के चारों धामों की यात्रा कराते हुए शाम को 3.00 बजे शान्तिवन में विशेष श्रधांजलि देने अर्थ उनके पार्थिव शरीर को रखा जायेगा। 4.00 बजे नदी के पास अन्तिम संस्कार किया जायेगा।

ऐसी अथक सेवाधारी यज्ञ रक्षक अनन्य रत्न को सभी विशेष योग में रह अपनी स्नेह श्रंधाजलि देंगे। अच्छा - सभी को बहुत-बहुत याद... ओम् शान्ति।